ई–बुलेटिन

कृषिउद्यमी

प्रतीयमान अनुभव को बांटने वाला मंच

खंड V अंक I

अप्रैल-2013

प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि

इस अंक में:

- एसी तथा एबीसी योजना की एक दशक की प्रगति
- माह के कृषिउद्यमी – श्री श्रीशाल सोमापुर
- माह का संस्थान – केवीके, पाइरेंस, बाभालेश्वर

" कृषि उद्यमिता एक ऐसा प्रतीयमान मंच है जहां कृषि उद्यमियों, बैंकरों, कृषि व्यवसाय कंपनियों, नोडल प्रशिक्षण संस्थानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, शिक्षाशास्त्रियों, अनुसंधानकर्ताओं तथा कृषि व्यवसाय चिंतकों, जो देश में कृषि उद्यमिता विकास के लिए कार्य कर रहे हैं, के अनुभवों को सबके साथ बांटा जाता है।

कृषि क्लीनिकों तथा कृषि व्यवसाय केन्द्र योजना के एक दशक की प्रगति

कृषि क्लीनिक तथा कृषि व्यवसाय केन्द्र (एसी और एबीसी) योजना केन्द्रीय क्षेत्र की एक योजना है जिसे वर्ष 2002 में कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आरंभ किया गया था ताकि कृषि व्यवसायियों के माध्यम से कृषकों को उनके द्वार पर ही विस्तार सेवाएं प्रदान करके लोक विस्तार प्रयासों को अनुपूरित किया जा सके और कृषि तथा संबंधित क्षेत्रों के विकास के माध्यम से बेरोजगार कृषि व्यवसायियों के लिए स्व रोजगार अवसरों का सृजन किया जा सके।

एसी तथा एबीसी योजना के आरंभ होने से अब तक 32683 कृषि व्यवसायियों को देश भर में फैले 88 नोडल प्रशिक्षण संस्थानों (एनटीआई) के नेटवर्क के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है और 12992 कृषि उद्यमियों ने कृषि उद्यमों की स्थापना की है। 1822 इकाइयां कृषि क्लीनिक हैं तथा 755 इकाइयां पशु रोग क्लीनिक हैं जिनका मुख्य सरोकार है कृषि विस्तार सेवाएं प्रदान करना। शेष इकाइयों में से 5215 इकाइयां कृषि व्यवसाय केन्द्र हैं, 2039 इकाइयां डेरी, पोल्ट्री, पिगरी, गोटरी से संबंधित हैं और शेष 3161 कृषि उद्यम, फार्म मशीनरी इकाइयों, एग्रो इको पर्यटन, मास्त्यिकी, बागवानी क्लीनिक, बीज प्रोसेसिंग इकाई, मशरूम उत्पादन और पुष्प कृषि इकाई आदि कार्यकलापों को समाहित करते हैं। एसी और एबीसी इकाइयों ने 31 मार्च, 2013 तक अपनी स्थापना के लिए नाबार्ड से 1857.17 लाख रुपये की सब्सिडी प्राप्त की है।

....पृष्ठ 4 पर क्रमागत

श्री श्रीशाल सोमापुर – कृषकों के लिए गुणवत्तापूर्ण बीज सुनिश्चित करने के लिए सीडमैन

श्री श्रीशाल सोमापुर, कर्णाटक राज्य के बीजापुर जिले से संबंध रखते हैं। इनका जन्म कृषक परिवार में हुआ, इनका यह मत है कि गुणवत्तापूर्ण बीज पहला महत्वपूर्ण चरण है, स्थान के अनुरूप इसकी उपयुक्तता तथा इसकी गुणवत्ता, फसल की उत्पादकता में मुख्य भूमिका निभाती है।

वर्ष 1990 में कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़ से कृषि में अपनी स्नातक शिक्षा पूर्ण करने के तुरंत बाद उन्होंने अमरीकन हाइब्रिड सीड्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में बीज उत्पादन स्कंध में कार्यभार ग्रहण किया और देश के विभिन्न भागों, जैसे कर्णाटक, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात और आंध्र प्रदेश में 15 वर्षों तक बीज उत्पादन प्रभारी के बतौर कार्य किया। यहां उन्होंने व्यवहारिक रूप से खेत फसलों तथा बागवानी फसलों के साथ मुक्त परागित तथा संकर बीजों के साथ कार्य किया। अपने प्रयासों से वे प्रबंधक के पद तक पहुंचे और उन्हें सर्वोत्तम कार्य निष्पादन का पुरस्कार मिला। वे एसी तथा एबीसी योजना से प्रेरित हुए तथा उन्होंने उद्यमिता विकास केन्द्र (सीईडी), हैदराबाद में प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने अपनी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया और चूंकि उनके पास अपने तकनीकी और उद्यमिता संबंधी कौशलों का पर्याप्त अनुभव था अतः उन्होंने 'मैक्सिमा बीज – बेहतर भविष्य के लिए बीज' नाम से एक बीज उत्पादन इकाई आरंभ की। यह इकाई 10 एकड़ क्षेत्र में स्थित है और उन्नत अनुसंधान और विकास सुविधाओं तथा प्रोसिंसिंग और पैकेजिंग सुविधाओं, जैसे ग्रेडर, ग्रेविटी सेपेरेटर, डी–स्टोनर, ट्रीटर, स्वचालित तोल और बैंगिंग इकाई से युक्त है। इसमें 9000 वर्गफुट की भंडारण क्षमता है और यह शादनगर, जिला महबूब नगर, आंध्र प्रदेश में एनएच–7 पर स्थित है।

कृषकों तथा अपनी बीज उत्पादन इकाई के साथ श्री श्रीशाल

मैक्सिमा बीज के अंतर्गत उपलब्ध सेवाएं

- सब्जियों तथा खेत फसलों का मुक्त परागित और संकर बीज उत्पादन,
- नई किस्मों तथा कृषकों के लिए नई कल्चरल प्रणालियों पर पद्धति प्रदर्शनों का आयोजन
- जरूरतमंद किसानों को समय पर तकनीकी सलाह देने के लिए नियमित रूप से फील्ड में जाते हैं
- पादप सुरक्षा उपायों पर परामर्शी सेवाएं देते हैं और फील्ड फसलों तथा बागवानी फसलों के लिए सर्वोत्तम प्रणाली सुझाते हैं
- बाजार संपर्कों पर परामर्शी सेवाएं प्रदान करते हैं।

उन्होंने 30 कुशल तथा अकुशल कामगारों को रोजगार दिया है। मैक्सिमा बीज अपनी सेवांए 100 से अधिक गांवों में 1000 से अधिक किसानों को प्रदान कर रही हैं। इसका टर्न ओवर 1.2 करोड़ रुपये तथा निवल लाभ 20 लाख रुपये है। ऋण सुविधा के लिए मैक्सिमा बीज की मदद केनरा बैंक ने की। श्री श्रीशाल अपने उद्यम का विस्तार जैव कीटनाशकों और उत्पादन इकाई के क्षेत्र में भी करना चाहते हैं जो कि संपोषणीय कृषि की दिशा में अगला महत्वपूर्ण चरण है।

श्री श्रीशाल सोमापुर से फोन नंबर 9440297169 पर संपर्क किया जा सकता है,

ई मेल आई डी है –sompurss@rediffmail.com

कृषि उद्यमी, श्री विजय भरत, चल कृषि विद्यालय एवं सेवाएं, झारखंड का फीड बैक : यह जानकर प्रसन्नता हुई कि कुछ कृषि उद्यमियों ने अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए इजरायल की यात्रा की। प्रमुख कृषि स्थानों की यात्रा मेरे लिए महत्वपूर्ण है। ई–बुलेटिन, कृषि उद्यमियों के महत्वपूर्ण कार्य–कलापों को परिलक्षित कर रहा है और कृषि स्नातकों को कृषि उद्यमिता की ओर उन्मुखत करने में अच्छा कार्य कर रहा है। मैं सीएडी, मैनेज का आभारी हूँ कि वे कृषि उद्यमियों के कार्यकलापों की खोज–खबर लेते हैं। मेरे विचार से निकट भविष्य में सीएडी को धनी–मानी व्यसायियों की एक पंक्ति तथा विचार प्रणाली सृजित करने में सफलता प्राप्त होगी।

कृषि विज्ञान केन्द्र, पाइरेंस, महाराष्ट्र – एसी और एबीसी प्रशिक्षणार्थियों के एक अभिनव साधन का प्रसारण

प्रवर प्राकृतिक तथा सामाजिक विज्ञान अनुसंधान तथा शिक्षा संस्थान (पाइरेंस) एक स्वयंसेवी संगठन है जिसकी स्थापना वर्ष 1985 के दौरान माननीय पद्मभूषण बाला साहेब विखे पाटिल ने की। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर), नई दिल्ली ने वर्ष 1982 में पाइरेंस में, उनके कार्यों की सराहना करते हुए, कृषि विज्ञान केन्द्र (केवीके) की स्थापना का समर्थन किया।

केवीके के उद्देश्य

- कृषि तथा सबंद्ध उद्यमों की उत्पादकता को बेहतर बनाना।
- कृषि, कृषि आधारित तथा गैर–कृषि क्षेत्र में रोजगार सृजन।
- ग्रामीण समुदाय का सामाजिक–आर्थिक उत्थान।

केवीके का अधिदेश

- व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से कृषकों तथा ग्रामीण युवाओं को कौशल प्रदान करना
- विभिन्न वस्तुओं के संबंध में फ्रंटलाइन प्रदर्शन आयोजित करना
- स्थान–निर्दिष्ट समस्याओं पर आधारित प्रौद्योगिकियों को परिष्कृत करने के लिए ऑन फार्म परीक्षण निष्पादित करना
- विस्तार पदाधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान कर व्यापक स्तर पर प्रौद्योगिकियों का प्रसार करना

सेवाओं और उपलब्धियों संबंधी विशेष बातें

- 90.8 मेगाहर्ट्ज एफएम केवीके प्रवर कम्युनिटी रेडियो स्टेशन 8.5 लाख की आबादी के लिए कृषि प्रौद्योगिकी का प्रसारण करेगा।
- जहां कहीं भी प्रगतिशील कृषक, युवा और महिलाएं शामिल हैं वहां क्रेडिट सुविधाओं सहित प्रौद्योगिकी मूल्यांकन, परिष्कार तथा प्रसार के लिए एक त्रिस्तरीय मॉडल तैयार किया।
- वर्ष 1998–99 के लिए सर्वश्रेष्ठ केवीके का पुरस्कार दिया गया और वर्ष 2010 के लिए सर्वश्रेष्ठ जोनल पुरस्कार दिया गया।
- वर्ष 2012 के लिए सर्वश्रेष्ठ केवीके पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

एसी और एबीसी के साथ संबंध

केवीके, पाइरेंस बामलेश्वर, मैनेज से जुड़ा है और वर्ष्ज 2004 से एसी और एबीसी प्रशिक्षण का आयोजन कर रहा है। अब तक 12 कार्यक्रमों के माध्यम से 359 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है और 180 कृषि उद्यमियों ने विभिन्न श्रेणियों के कृषि नवोद्यम स्थापित किए हैं जिनमें पोली हाउस कृषि सेवा केन्द्र, सेरीकल्चर रीयरिंग यूनिट, डेरी, कस्टम हायरिंग, लैंडस्केपिंग सेवाएं फसल सलाहकार सेवाएं और वर्मी कम्पोस्ट इकाइयां शामिल हैं। अतः इसकी सफलता दर 50.13 प्रतिशत है।

चयन तथा सहायता कार्यकलाप

- स्क्रीनिंग समिति की बैठक के दौरान अभ्यर्थियों को उनके माता–पिता/अभिभावकों के साथ परामर्श प्रदान किया गया।
- प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों की समीक्षा की जाती है ताकि प्रशिक्षण की प्रभावकारिता सुनिश्चित की जा सके।

- प्रशिक्षणार्थियों की मेंटरिंग के लिए और लंबित प्रस्ताव निपटाने के लिए बैंकरों की बैठक आयोजित की जाती है।
- वर्ष में एक बार कृषि उद्यमियों की बैठक आयोजित की जाती है ताकि उन्हें अपने अनुभव बांटने के लिए मंच प्रदान किया जा सके।

केवीके, पाइरेंस, बाभलेश्वर से संपर्क इस पते पर किया जा सकता है:–

डा. भास्कर गायकवाड़, मुख्य वैज्ञानिक, बाभलेश्वर, राहटा – 413737, अहमदनगर, महाराष्ट्र 02422–252414, (कार्यालय) 02422 –253536 (फैक्स) gaikwadbh@yahoo.com, kvkahmednagar@yahoo.com

पृष्ठ 1 का क्रमागत

पूर्वोत्तर राज्यों में एसी और एबीसी का कार्य निष्पादन

योजना के अंतर्गत पूर्वोत्तर राज्यों में कृषि तथा संबंधित व्यवसायियों को पांच केन्द्र सक्रिय रूप से एसी और एबीसी प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। इसकी स्थापना से लेकर अब तक 1049 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया है जिनमें से 297 ने एग्री क्लीनिक तथा कृषि व्यवसाय केन्द्रों की स्थापना की है जिनकी संचयी सफलता प्रतिशतता 28.31 है। वर्ष 2012–13 के दौरान 109 प्रत्यर्थियों को प्रशिक्षण दिया गया और उनमें से 35 ने 32.11 के सफलता प्रतिशतता सहित कृषि उद्यमों की स्थापना की है।

डा. के. नागाभूषणम, कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलौर, कृषि उद्यमिता विकास कार्यशाला, मैनेज में प्रशिक्षण संबंधी अभिनव विचार बांटते हुए

नोडल प्रशिक्षण संस्थानों के लिए वार्षिक कार्यशालाएं

सीएडी, मैनेज ने 2012–13 के दौरान एसी तथा एबीसी योजना केएनटीआई के लिए कृषि उद्यमिता विकास पर 5 कार्यशालाओं का आयोजन त्रिवेंद्रम, अमृतसर और महाराष्ट्र में किया तथा दो कार्यशालाएं मैनेज, हैदराबाद में आयोजित की गई जिनमें एसी तथा एबीसी प्रशिक्षण समन्वयकों सहित नोडल अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशालाओं ने प्रशिक्षण की गुणवत्ता तथा सहयोगपूर्ण कार्यों पर बल दिया और प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए अभिनव विचारों का आदान–प्रदान किया। इसके अलावा, एसी तथा एबीसी प्रशिक्षण और अनुवीक्षण में आईसीटी तकनीकी इनपुट को बेहतर बनाने के लिए एनटीआई के लिए आईसीटी साधनों पर एक अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

www.agriclinics.net वह पोर्टल है जो एसी तथा एबीसी योजना के बारे में सूचना प्रदान करता है। यह पोर्टल पात्रता मानदंडों, प्रशिक्षण संस्थानों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सहायता कार्यों, वित्त विकल्पों तथा भावी उद्यमियों को सब्सिडी प्रदान करने के संबंध में अद्यतन जानकारी देता है।यह वेबसाइट स्थापित कृषि नव उद्यमों, लंबित परियोजनाओं, संबंधित योजनाओं के ब्यौरों से संबंधित सूचना तथा राज्य सरकारों, कृषि विश्वविद्यालयों, बैंकों, प्रशिक्षण संस्थानों तथा कृषि उद्यमियों के लिए उपयोगी अन्य सूचना भी प्रदान करती है।

एग्री क्लीनिकों तथा एग्रीबिजनेस केंद्रों के संबंध में अधिक स्पष्टीकरण के लिए कृपया इस पते पर मेल करें। indianagripreneur@manage.gov.in

''प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि''

'कृषि उद्यमी' का प्रकाशन
महानिदेशक, मैनेज, हैदराबाद द्वारा किया जाता है।

प्रमुख संपादक : श्री वी. श्रीनिवास, आईएएस

संपादक : डा. पी. चंद्रशेखर

सहायक संपादक : डा. लक्ष्मीमूर्ति

: श्रीमती एन. सुनीता

हमें संपर्क करें:
कृषि उद्यमिता विकास केंद्र (सीएडी) राष्ट्रीय कृषि प्रबंधन विस्तार संस्थान (मैनेज), राजेन्द्र नगर, हैदराबाद,
पिन–500030 आन्ध्र प्रदेश, भारत
टेली फैक्स: + 91(40)–24106693
ई–मेल :indianagripreneur@manage.gov.in
Website: www.agriclinics.net